Co-operative Development :-

इसमे अध्यापक एक समूह बनाता है तथा एक [illegible] समस्या जो एक दूसरे से सम्बन्धित होते है।

- दो या दो से अधिक लोगों का होना
- उनके लक्ष्य एक होने चाहिए

(i) Division of work - (कार्य का बंटवारा) :- इसमे कार्य का बंटवारा किया जाता है उसमे उनकी योग्यता तथा रुचि दोनों के अनुसार कार्य किया जाता है।

(ii) Discussion (वाद-विवाद) :- किसी प्रकार की कार्य मे कठिनाई उसके ऊपर वाद-विवाद या सामूहिक चर्चा करते हैं। इसमे सभी एक दूसरे से सीखते हैं।

(iii) सभी का एक समान लक्ष्य होता है।

Co-operative Development :- सहकारी विकास :-

यह एक सामूहिक प्रक्रिया है जितने भी सदस्य होते हैं एक दूसरे पर विश्वास करते हैं और का समान लक्ष्य होता है।

1- जितने भी समूह के सदस्य होते हैं आपस आपस में विचार करते हैं।

2- अपने लक्ष्य को समान करके विकास करते / प्राप्त करते हैं। एक दूसरे की समस्या को समझते हैं (प्रश्नों के उत्तर पूछते)

3- समूह के प्रत्येक सदस्य के प्राप्त मुद्दों के उत्तरो को महत्व देते हैं और उनको समझते हैं।

4- सभी एक दूसरें को अपनी अभिव्यक्ति (बातें) का [illegible] देते हैं।

Scanned with CamScanner

5- सभी एक दूसरे पर निर्भर होते हैं और दूसरे भी उनपर निर्भर होते हैं।

Element of Co-operative Development :-

सहकारी विकास के तत्व :-

सकारात्मक अन्तर्सम्बन्ध :- एक कामन लक्ष्य के लिए सभी एक

1- दूसरे पर सकारात्मक रूप से अन्तर्सम्बन्धित होते हैं।

सभी लोगों के सहयोग से यह प्रक्रिया पूरी होती है।

(1.2) समूह के सभी सदस्य अपने आप मे विशेष होते है- क्योंकि

(1.3) समूह के प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग कार्य दिया गया होता है।

2- (फेस-टू-फेस) समूह के सभी शिक्षक/छात्र प्रत्यक्ष रूप से (आमने-सामने) उपस्थित होकर मौखिक रूप से किसी समस्या के समाधान पर चर्चा करते हैं। बात करते हैं।

(2.1) सभी शिक्षक/छात्र अपने ज्ञान को दूसरे को बताते हैं।

(2.2) यह अधिगम प्रक्रिया एक सम्प्रत्य के रूप मे पूरी होती है।

3- व्यक्तिगत एवं सामूहिक सहभागिता :-

(3.1) समूह की संख्या का छोटा होना/रखना जब समूह छोटा होता है तो व्यक्तिगत जिम्मेदारी या सहभागिता प्रभावी होती है

(3.2) व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण देना अपने कार्य की जो उसे मिला है वह उसे कैसे करेगा और किया कार्य पूरा हुआ है।

(3.3) समूह के एक सदस्य/शिक्षक/विद्यार्थी को जाँच कर्ता के रूप मे रखा जाता है।

4- अन्तः वैयक्तिक तथा छोटा समूह कौशल :-

(4.1) नेतृत्व

निर्णय लेने की क्षमता।

CLASSMATE
Date ____
Page ____

(28)

(4.3) विश्वास का निर्माण
(4.4) सम्प्रेषण कौशल का विकास
(4.5) प्रबन्ध में होने वाले कौशल का विकास

5- समूह प्रक्रिया :- समूह कार्य कहाँ तक हुआ है।
(5.1) समूह के सदस्य परिचर्चा द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने, उसे प्रभावी बनाने तथा एक-दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्यविधि तक हुआ है उसकी योजना बनाते हैं।
(5.2) समूह के प्रत्येक सदस्य यह निर्धारित करते हैं कि कौन सा क्रियाकलाप सहयोग प्रदान करेगा तथा कौन सा नहीं।
(5.3) समूह के सदस्य यह निर्णय लेते हैं कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्रिया-कलाप को निरन्तर रखा जाए तथा किसे परिवर्तित किया जाए।

Need of Cooperative Development
समूह सहभागिता की आवश्यकता
(1) किसी विचार को धारण / उद्गम करने के लिए
(2) सम्प्रेषण कौशल का विकास करने के लिए
(3) सम्बन्ध व सामंजस्य स्थापित करने के लिए
(4) शिक्षकों के सम्बन्ध को बनाने के लिए
(5) शिक्षकों को उच्चकोटि तक पहुचाने के लिए
(6) स्व अधिगम की क्षमता को बढ़ाने के लिए
(7) नये तकनीकों को लाने के लिए।